दिनांक 05.09.2022 को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आयोजित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त :–

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं एवं विद्युत संयोजन की समीक्षा बैठक दिनांक 05.09.2022 को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसका अनुमोदन जिलाधिकरी महोदय के द्वारा दिनांक–20.09.2022 को किया गया।

समीक्षा बैठक मे निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें:–

1. श्री राजेश कुमार यादव, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), हमीरपुर।
2. श्री शैलेन्द्र कुमार, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, राठ।
3. श्री सुमित कुमार, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम(ग्रामीण), वि0/यॉ0, चित्रकूट।
4. श्री मानवेन्द्र सिंह, सहायक अभियन्ता, जल निगम(ग्रामीण), महोबा।
5. श्री रामा कृषन शुक्ल, सुपरविजन इंजीनियर, आरवी एसोसिएट्स (पी0एम0सी0), हमीरपुर।
6. श्री सुरेन्द्र शर्मा, डी0टी0एल0, सेन्सिस टेक लि0, हमीरपुर।
7. श्री सुनील कुमार भारद्वाज, जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0, हमीरपुर।
8. श्री अभिषेक कुमार वर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0, हमीरपुर।

पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना (सतही स्त्रोत):–

सहायक अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि पत्योरा डांडा ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुल 148 राजस्व ग्राम लाभान्वित हैं, जिसमें विकास खण्ड मौदहा के 82 एवं विकास खण्ड सुमेरपुर के 66 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत है:–

इन्टेक वेल:–इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम पत्योरा डांडा के पास इन्टेकवेल (45 एम0एल0डी0) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इन्टेकवेल की 22 मी0 सिंकिग किया जाना था, जिसके सापेक्ष मात्र 17 मीटर की सिंकिंग की कार्यवाही अब तक हुई है। जनरल मैनेजर, जेडब्लूआईएल द्वारा बताया गया कि वर्तमान में यमुना नदी का जलस्तर अधिक होने के कारण कार्य बाधित है, माह अक्टूबर, 2022 तक यमुना का जल स्तर नीचे होने पर पुनः कार्य शुरू हो पायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा समीक्षा बैठकों के दौरान इन्टेकवेल का कार्य बरसात से पूर्व पूर्ण करने हेतु निर्देशित किये जाने के उपरान्त भी कार्य में अप्रैल माह के बाद कोई प्रगति नही हुई। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी एजेंसी जे0डब्लू0आई0एल0 की कार्य के प्रति उदासीनता पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि इन्टेकवेल का कार्य निर्धारित समयावधि के अन्दर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

डब्लू0टी0पी0:–जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि डब्लू.टी.पी. (45 एम0एल0डी0) पत्योरा डांडा का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कैस्केड एरीऐटर, एडमिन बिल्डिंग, सीएलएफ, फिल्टर हाउस, स्लज सम्प, रिसर्कुलेशन सम्प का कार्य पूर्ण हो चुका है। केमिकल हाऊस के फर्स्ट फ्लोर बीम बॉटम तक कॉलम कास्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। क्लोरिनेशन बिल्डिंग का ब्रिक्स वर्क पूर्ण हो चुका है, फ्लोरिंग

Scanned with OKEN Scanner

का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन पूर्ण करने एवं स्टाफ क्वाटर एवं बाउन्ड्रीवॉल का कार्य अभी तक प्रारम्भ न किये जाने व मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल कार्य के धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया। निर्देशित किया गया कि कार्य प्रगति बढ़ाते हुए यथाशीघ्र कार्य पूर्ण किया जाय।

सी0डब्लू0आर0:–जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 10 नग सी0डब्लू0आर0 के सापेक्ष 09 नग सी0डब्लू0आर0 पर कार्य प्रगति पर है। जनरल मैनेजर, जेडब्लूआईएल द्वारा बताया गया कि 04 नग सीडब्लूआर पर वर्तमान में कार्य किया जा रहा है। 02 नग सीडब्लूआर पर जलभराव के कारण कार्य बाधित है तथा 03 नग सीडब्लूआर पर वॉल कन्टेनर कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सी0डब्लू0आर0 की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया। निर्देशित किया गया कि जल भराव वाले सी0डब्लू0आर0 पर डिवाटरिंग कर कार्य प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें तथ आवश्यक मैनपावर लगाते हुए स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार कार्य कराते हुए कार्य प्रगति मे आपेक्षित तेजी लाये।

अवर जलाशय:–एजेंसी के जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि 46 अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है। सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा सभी 46 अवर जलाशयों पर कार्य प्रारम्भ किया गया था, किन्तु वर्तमान में मात्र 10 कार्यस्थलों पर कार्य प्रगति पर है। 03 नग अवर जलाशय बिगहना, उरदना एवं गुसियारी के टाप डोम कास्टिंग का कार्य पूर्ण किया गया है एवं 02 नग अवर जलाशय में बॉटम डोम का कार्य (65 प्रतिशत) पूर्ण कर लिया गया है। अवगत कराया गया कि अक्टूबर, 2022 तक 12 नग अवर जलाशयों को चालू किया जाना है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अवर जलाशयों की अत्यधिक धीमी प्रगति पर खेद व्यक्त किया गया। डिस्ट्रिक्ट टीम लीडर, सेन्सिस टेक लि0, हमीरपुर को निर्देशित किया गया कि जे0डब्लू0आई0एल0 द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों की जॉच करें कि वर्तमान मे कितने साइट्स पर कार्य चल रहा है तथा कितनी संख्या ने मानव श्रम कार्यरत है।

राइजिंगमेन:–जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित राइजिंगमेन 306.366 किमी0 के सापेक्ष 268.35 किमी0 पाईप की आपूर्ति कर ली गयी है एवं 203.88 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। 02 सप्ताह मे मात्र 6.7 किमी पाइप बिछायी गयी है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अभी तक पाइप की शत प्रतिशत आपूर्ति न किये जाने तथा पाइप बिछाये जाने की धीमी प्रगति पर खेद व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया कि एजेंसी के पास पर्याप्त मानवश्रम उपलब्ध नहीं है, जिस कारण कार्य की प्रगति संतोषजनक नही है। डिस्ट्रिक्ट टीम लीडर, टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि मौके पर जाकर कार्यरत श्रमिको की संख्या की जॉच कर, अवगत करायें। कार्यदायी संस्था के जनरल मैनेजर को निर्देशित किया गया कि विगत कई समीक्षा बैठकों में शेष राइजिंगमेन डी0आई0 पाइप की शत–प्रतिशत आपूर्ति करने के निर्देश दिये जाने के बाद भी अभी तक आपूर्ति पूर्ण नही है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी एजेंसी के जनरल मैनेजर को निर्देशित किया कि गैंग व मैनपावर की संख्या बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता व मानको का पालन कराते हुए कार्य की प्रगति मे तेजी लायें।

वितरण प्रणाली:–सहायक अभियन्ता, जल निगम(ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित वितरण प्रणाली 908.886 किमी0 के सापेक्ष 904.41 किमी0 पाईप की आपूर्ति कर ली गयी है एवं 531.75 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। पाईप लाइन बिछाने की कार्य प्रगति बहुत कम है, अभी तक प्रस्तावित 904.41 किमी आपूर्तित वितरण प्रणाली के सापेक्ष अभी तक मात्र 520.44 किमी पाइप बिछायी गयी है, इस माह पाइप बिछाये जाने के कार्य में कोई प्रगति नही हुई है, जो बहुत खराब स्थिति को प्रदर्शित करता है। जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0 द्वारा बताया गया कि बारिस के कारण पाइप लेइंग में आपेक्षित प्रगति नही हुई है, पाइप बिछाये जाने हेतु टीमों की संख्या बढाई गई है।

Scanned with OKEN Scanner

सहायक अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि 77 राजस्व ग्रामों में पाइप बिछाई जा चुकी है एवं 22 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है, किन्तु कार्यदायी एजेंसी द्वारा हाइड्रोटेस्टिंग एवं रोड रेस्टोरेशन का कार्य बहुत धीमी गति से किया जा रहा है। कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया कि गैंग व मैनपावर की संख्या बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता मानको का पालन करते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) तथा सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 को निर्देशित किया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा पाइप बिछाये जाने हेतु मासिक टारगेट निर्धारित कर लक्ष्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

रोड रेस्टोरेशनः—डी0टी0एल0, टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 30 राजस्व ग्रामों तिलसारस, बैजेमऊ, जिगनीड़, गहेबरा, दरियापुर, टोलामॉफ, घटकना, किशनपुर, सिलौली, उपरी, मसगांव, धुगवान, असुई, खनदेही, बिगहना, चकदाहा, गदेरीया खेड़ा, मवईया, गेहबरा, भवानी, चमरखन्ना, रतवा, गुरहा, गहतौली, जलाला, इटारा, पचखुरा खुर्द, धुन्धपुर, महमूदपुर, दरियापुर का रोड रेस्टोरेशन पूर्ण किया गया एवं 20 राजस्व ग्राम परछछ, गरहा, भुरही, लेवा, भैन्सटा, बहरेला, अछरेला, मकरांव, भरसावन, देव काली, सायर, पत्योरा डांडा, बरूवा, इसौली, भवनीया, मिहुना, मौहर, इचौली, नजरपुर, कैथी, कलौलीजार में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा रोड रेस्टोरेशन की धीमी प्रगति पर खेद प्रकट करते हुए निर्देशित किया कि राजस्व ग्रामों में रोड—रेस्टोरेशन का कार्य किये जाने की प्रगति बहुत धीमी है, जिस कारण ग्रामवासियों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। विगत कई माह से विभिन्न कार्यस्थलों पर रोड रेस्टोरेशन का कार्य नही किया गया है तथा कुछ स्थानों पर पिछले 06—06 माह से ट्रेंच खुले पड़ें है, जिसके कारण जलभराव, रोड धसने के कारण दुर्घटनाएं घट सकती हैं तथा बच्चों एवं पशुओं के गिरने की सम्भावना बनी रहती है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि पाइप लेइंग के पश्चात यथा शीघ्र हाइड्रोटेस्टिंग तथा रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया जाय, जिससे जनसामान्य को आवागमन मे परेशानी न हो।

FHTC कनेक्शनः—सहायक अभियन्ता, जल निगम द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 47940 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक मात्र 11020 MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है, जो लक्ष्य के सापेक्ष बहुत कम है। 38 राजस्व ग्रामों में FHTC कनेक्शन के लिए MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है एवं 15 ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। जनरल मैनेजर, जेडब्लूआईएल द्वारा बताया गया कि FHTC कनेक्शन के लिए टीमों की संख्या बढाई गयी है तथा इस सप्ताह साप्ताहिक लक्ष्य 900 कनेक्शन को प्राप्त किया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि FHTC कनेक्शन किये जाने की प्रगति असंतोषजनक है, लगभग 01 वर्ष से FHTC कार्य किये जाने के उपरान्त भी अभी तक मात्र 11020 कनेक्शन किये गये हैं, इस गति से कार्य किये जाने में तो लगभग 20 माह का समय लग जायेगा। कार्यदायी ऐजेंसी द्वारा सामान्तर रूप से योजना के सभी घटकों पर कार्य नही किया जा रहा है तथा बारम्बार निर्देशित किये जाने के उपरान्त भी कार्यस्थलों पर पर्याप्त मानवश्रम नही बढ़ पा रहा है। निर्देशित किया गया कि दिये गये लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में परियोजना के कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना बनाकर कार्य पूर्ण कराये।

<u>हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत)</u>

सहायक अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुरारा विकास खण्ड के 24 ग्राम पंचायत के 39 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। हरौलीपुर सतही स्त्रोत योजनान्तर्गत 01 इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0), 01 डब्लू0टी0पी0 (8 एम0एल0डी0), 12 नग अवर जलाशय तथा 05 नग सी0डब्लू0आर0 का निर्माण किया जाना है।

इन्टेकवेलः— इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम हरौलीपुर के पास इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। प्रोजेक्ट मैनेजर के द्वारा अवगत कराया गया कि इंटेकवेल के वॉल का 42 मी0 तक कंक्रीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। पम्प हाउस के फ्लोर स्लैब का कार्य पूर्ण। पम्प हाउस

Scanned with OKEN Scanner

के ऊपर ब्रेस बीम तक का कार्य पूर्ण हो गया है, इनटेकवेल का कार्य लगभग 83 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि पर्याप्त मानव श्रम लगाकर अवशेष कार्यों को पूर्ण करायें।

डब्लू0टी0पी0:–पी0एन0सी0 प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि डब्लू0टी0पी0 8 एम0एल0डी0 का हरौलीपुर मे निर्माण कार्य चालू है। प्लेट एरीएटर, फिल्टर हाऊस का सिविल कार्य पूर्ण, फ्लैश मिक्सर एवं सीएलफ का सिविल कार्य पूर्ण एवं मैकेनिकल कार्य प्रगति पर है। एमसीडब्लूआर का स्ट्रक्चर वर्क पूर्ण, प्लास्टर का कार्य प्रगति पर है। बैकवाश का कार्य पूर्ण। एडमिन बिल्डिंग स्लैब रेनफोर्समेन्ट का कार्य पूर्ण, डब्लू0टी0पी0 का लगभग 81 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। श्री अभिषेक कुमार वर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर पी. एन.सी. द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग 01 माह में डब्लू0टी0पी0 का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि कार्य की प्रगति बढ़ाने के लिए पर्याप्त मानव श्रम लगाकर डब्लू0टी0पी0 के समस्त अवयवों पर एक साथ कार्य करायें, जिससे निर्धारित समयसीमा मे कार्य पूर्ण किया जा सके।

सी0डब्लू0आर0:–पी0एन0सी0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 5 नग सी0डब्लू0आर0 पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। 03 नग सी0डब्लू0आर0 ग्राम पुरई, रिठारी एवं हरौलीपुर मे पम्प हाउस का कार्य पूर्ण हो चुका है। 02 नग सी0डब्लू0आर0 देवीगंज एवं पचखुरा में छत के लिए सरीया बांधने व शटरिंग का कार्य प्रगति पर है। सी0डब्लू0आर0 का लगभग 72 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया पिछले 04 माह से देवीगंज एवं पचखुरा सी0डब्लू0आर0 पर वही कार्य किये जा रहे हैं, सी0डब्लू0आर0 पर आवश्यक मैनपावर लगाकर स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन के अनुसार अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करायें। सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 तथा डी0टी0एल0, टी0पी0आई को निर्देशित किया गया कि साइट पर कार्य तथा लगाये मानवश्रम की जॉच कर रिपोर्ट उपलब्ध करायें।

अवर जलाशय:–पी0एन0सी0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि सतही स्त्रोत योजना के तहत 12 अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है। वर्तमान मे सभी 12 नग अवर जलाशय पर कार्य प्रगति पर है। एजेंसी द्वारा अवगत कराया गया कि 03 अवर जलाशय चन्दुपुर डांडा, भटपुरा एवं कनौटा अवर जलाशय के पेटिंग कार्य आंशिक रूप से पूर्ण। 02 नग अवर जलाशय बैजेइस्लामपुर एवं देवीगंज पर बॉटम डोम का सरिया बांधने का कार्य प्रगति पर है। 06 नग अवर जलाशय पर टॉप डोम का कार्य पूर्ण एवं पाइप फिटिंग का कार्य प्रगति पर है तथा 02 नग अवर जलाशय बैजेइस्लामपुर एवं देवीगंज मे अवर जलाशय के बॉटम डोम के सरिया बॉधन का कार्य प्रगति पर है। अवर जलाशय डेवलपमेन्ट का लगभग 86 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि 02 नग अवर जलाशय बैजेइस्लामपुर एवं देवीगंज पर बॉटम डोम का सरिया बांधने का कार्य लगभग 02 माह से किया जा रहा है, जो खेदजनक है। अवर जलाशयों पर पर्याप्त मैनपावर व मशीनरी लगाते हुए स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता व मानको का पालन कराते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

राइजिंगमेन:–प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि योजना मे प्रस्तावित राईजिंगमेन 83.848 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है। अब तक 62.046 किमी0 पाइप की आपूर्ति कर ली गयी है एवं 61.983 किमी0 राइजिंगमेन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। खेद का विषय है कि कई बार निर्देश दिये जाने के बावजूद राईजिंगमेन 83.848 किमी0 डी0आई0 पाइप की पूरी आपूर्ति अभी तक नही की गई है, जिसके कारण राइजिंगमेन बिछाये जाने का कार्य बाधित है। प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 श्री अभिषेक वर्मा द्वारा 18.09.2022 तक शत प्रतिशत पाइप की आपूर्ति किये जाने का आश्वासन दिया गया। प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 के को निर्देशित किया कि शेष राईजिंगमेन डी0आई0 पाइप की पूरी आपूर्ति अतिशीघ्र की जाय तथा राइजिंगमेन पाइप बिछाने का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

Scanned with OKEN Scanner

वितरण प्रणाली:– प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना मे प्रस्तावित वितरण प्रणाली मे 184.372 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है, जिसके सापेक्ष शत–प्रतिशत पाइप की आपूर्ति कर ली गयी है एवं 159.54 किमी0 पाइप बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। 02 सप्ताह में मात्र 1.44 किमी0 पाइप बिछायी गयी है, जो असंतोषजनक है। 25 राजस्व ग्रामों में वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 02 राजस्व ग्रामों में प्रगति पर है। पाइप बिछाने का कार्य 84.67 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया गया कि वितरण प्रणाली बिछाये जाने की प्रगति धीमी खेदजनक है। शीघ्र मैनपावर एवं गैंग बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन एवं मानक के अनुरूप पाइप बिछाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

FHTC कनेक्शन:–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 9636 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक मात्र 1801 MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है तथा वर्तमान मे मात्र 02 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। इस सप्ताह मात्र 150 MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा FHTC कनेक्शन किये जाने की प्रगति पर खेद व्यक्त किया गया। कार्यदायी ऐजेंसी के पास पर्याप्त मानवश्रम नही है तथा बारम्बार निर्देशित किये जाने के उपरान्त भी कार्यस्थलों पर पर्याप्त मानवश्रम नही बढ़ पा रहा है। पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि दिये गये लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में परियोजना के कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना बनाकर कार्य पूर्ण कराये।

हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (नलकूप आधारित)

सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना (नलकूप आधारित) के माध्यम से विकास खण्ड राठ, गोहाण्ड, सरीला एवं मुस्करा के 168 ग्रामों को लाभान्वित किये जाना है। हरौलीपुर नलकूप आधारित योजनान्तर्गत 136 नग नलकूप, 118 नग अवर जलाशय, 1 नग सी0डब्लू0आर0 वितरण प्राणाली के लिए पाईप बिछाने का कार्य 977.42 किमी0, 103 नग स्टाफ क्वाटर, 14.23 किमी0 बाउन्ड्रीवाल का निर्माण किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत है:–

नलकूप:–उपस्थित प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि नलकूप आधारित योजना में प्रस्तावित 118 नग नलकूप के सापेक्ष सभी 118 नग नलकूपों मे लोवरिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है व 104 नग नलकूपों पर डेवलेपमेन्ट का कार्य पूर्ण हो चुका है। 35 नग नलकूपों में समरसेबिल इंस्टालेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी एजेंसी पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि विगत 05 सप्ताह से एक भी समरसेबिल पम्प इंस्टालेशन का कार्य नही किया गया है, जो असंतोषजनक है तथा कार्यदायी एजेंसी द्वारा समरसेबिल पम्प इन्टालेशन मे रूचि नही ली जा रही है तथा प्रतीत होता है कि कार्यदायी एजेंसी के पास आवश्यक मानवश्रम एवं मशीनरी उपलब्ध नही है। प्रोजेक्ट मैनेजर, पीएनसी को निर्देशित किया गया कि नलकूपों पर मैनपावर व मशीनरी लगाकर कार्य शीघ्र पूर्ण करायें तथा नलकूप डेवलपमेन्ट का कार्य, समरसेबिल पम्प इंस्टॉलेशन तथा पम्प हाउस का निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

अवर जलाशय:–डिस्ट्रिक्ट टीम लीडर, टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 118 नग अवर जलाशय के सापेक्ष वर्तमान में 20 नग अवर जलाशय का कार्य प्रगति पर है। 11 नग अवर जलाशयों पर बॉटम डोम का कार्य पूर्ण, 16 नग अवर जलाशयों पर टॉप डोम का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। 17 नग अवर जलाशयों पर स्टेजिंग का कार्य पूर्ण तथा 12 नग अवर जलाशयों पर कॉलम व ब्रेस बीम का कार्य प्रगति पर है। 17नग अवर जलाशयों पर पी0सी0सी0 का कार्य पूर्ण कर, राफ्ट के लिए सरिया बांधने का कार्य प्रगति पर है। 17 नग अवर जलाशयों पर खुदाई पूर्ण एवं पी0सी0सी0 का कार्य प्रगति पर है। अवर जलाशय के डेवलपमेन्ट का लगभग 53 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। डी0टी0एल0, टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि जलाशयों पर खुदाई व पी0सी0सी0 कार्य करने के बाद

Scanned with OKEN Scanner

कार्य बन्द कर दिया गया है। इससे प्रतीत होता है कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अवर जलाशय के निर्माण में रूचि नही ली जा रही है और कार्य के प्रति गम्भीर नही है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा असंतोष प्रकट करते हुए पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि अवर जलाशयों पर लगभग पिछले 07 माह से कार्य में आपेक्षित प्रगति नही हो रही है। मैनपावर व मशीनरी बढ़ाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप उपरोक्त अवर जलाशयों की प्रगति मे तेजी लायें तथा जलाशयों पर खुदाई व पी0सी0सी0 कार्य करने के बाद कार्य बन्द कर दिया जाता है, जो उचित नही है।

वितरण प्रणाली:–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 975.28 किमी0 के सापेक्ष 860.7 किमी0 पाईप की आपूर्ति कर ली गयी है एवं अभी तक 803.33 किमी0 पाईप बिछाने का कार्य हुआ है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया कि शीघ्र अवशेष एच0डी0पी0ई0 पाईप की शत–प्रतिशत आपूर्ति कर ली जाये एवं पर्याप्त मैनपावर/गैंग की संख्या बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाईन एवं मानक व गुणवत्ता के अनुरूप पाईप बिछाने का कार्य कराना सुनिश्चित करें।

FHTC कनेक्शन:–कार्यदायी संस्था को 52879 FHTC कनेक्शन लक्ष्य को ससमय पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, किन्तु अभी तक मात्र 2451 FHTC कनेक्शन के लिए MDPE पाइप लगाया गया है, 94 राजस्व ग्रामों में FHTC कनेक्शन हेतु MDPE पाइप का कार्य पूर्ण हो गया है तथा वर्तमान में 35 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। FHTC कनेक्शन किये जाने की प्रगति पर खेद प्रकट करते हुए पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि दिये गये लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में परियोजना के कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना बनाकर कार्य पूर्ण कराये तथा FHTC कनेक्शन किये जाने की कार्ययोजना तैयार कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

रोड रेस्टोरेशन:–डिस्ट्रिक्ट टीम लीडर, टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 8 राजस्व ग्रामों (औन्ता, चिल्ली, नवैनी, लिंगा, हुसैना, केमोखर, खेड़ा, मिहुना) का रोड रेस्टोरेशन किया गया एवं 9 (खरहेटा बुजुर्ग, टोला राठ, मखुरी, टिकुर, बिगांव, मसगांव, तगारी, लहरा एवं देवीगंज) में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा खेद प्रकट करते हुए कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया 94 राजस्व ग्रामों में वितरण प्रणाली बिछाये जाने के सापेक्ष अभी तक मात्र 08 राजस्व ग्रामों में रोड रेस्टोरेशन का कार्य किया गया है, जो कार्यदायी एजेंसी की कार्य के प्रति लापरवाही को प्रदर्शित करता है, रोड़ खुदे होने तथा वर्तमान में बरसात का मौसम होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तथा कभी भी अप्रिय घटना घटित होने की सम्भावना बनी रहती है, जबकि रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जाने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। जिन ग्रामों में पाइप बिछाने एवं हाइड्रोटेस्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है, पर्याप्त टीमें लगाकर तत्काल रोड रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

अनापत्ति प्रमाणपत्र:–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि पत्थौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना में एन0ए0ए0आई0 से प्रोविजनल अनापत्ति प्रमाण पत्र 22.07.2022 को जारी हो गया हैं तथा फाइनल अनापत्ति प्रमाण पत्र 28.08.2022 को पी0डी0–एन0एच0ए0आई कानपुर के द्वारा अधिशासी अभियन्ता जल निगम महोबा को डाक के माध्यम से प्रेषित किया है। सिंचाई विभाग (मौदहा डैम हमीरपुर)– दिनांक 30.03.2022 को फाइल मुख्य अभियन्ता सिंचाई विभाग, लखनऊ के स्तर पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु पहुँच गया है। वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण प्राप्त किये जाने के सम्बन्ध में दिनांक 31.08.2022 को फाइल रिजनल ऑफिस लखनऊ के स्तर पर पहुँच गया है। हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना में यूपीडा, राठ से अनापत्ति प्राप्त करने के सम्बन्ध में दिनांक 01.09.2022 को फाइल टेक्निकल डिपार्टमेन्ट में मूल्यांकन हेतु गया है। यूपीडा, उरई–दिनांक 01.09.2022 को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु फाइल सी0ई0ओ0 यूपीडा लखनऊ के कार्यालय में पहुँच गया है। हरौलीपुर ग्राम

Scanned with OKEN Scanner

समूह पेयजल योजना से सम्बन्धित प्रस्ताव समस्त अभिलेखों सहित नोडल लखनऊ के कार्यालय में 24.08.2022 को जमा कर दिया गया था तदोपरान्त 29.08.2022 को फाइल स्टेट गवर्नमेन्ट के स्तर पर पहुँच गया है। सिंचाई विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में फाइल मुख्य अभियन्ता सिंचाई विभाग लखनऊ के स्तर पर दिनांक 30.08.2022 को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु पहुंच गया है। अनापत्ति प्रमाणपत्र इसी महीने प्राप्त हो सकता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सहायक अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण तथा सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र अनापत्ति प्राप्त किये जाने हेतु प्रभावी पैरवी करें।

विद्युत संयोजनः–श्री सुमित कुमार, अधिशासी अभियंता, (वि0/यॉ0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), चित्रकूट द्वारा अवगत कराया गया कि पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना मे 10 विद्युत संयोजन किये जाने हैं, जिसके सापेक्ष सभी 10 नग विद्युत संयोजन (स्वासा बुजुर्ग, मिहुना, चन्दपुरवा बुजुर्ग, पचखुरा बुजुर्ग, पत्यौरा, छिरका, मकरॉव, भैसमरी, चॉदीकला) एसडब्लूएसएम द्वारा यू0पी0पी0सी0एल0 को दो बार में 86,81,0329.00 एवं 14,41,2648.00 का भुगतान हो चुका है। अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खण्ड, राठ द्वारा बताया गया कि पूर्व में निविदा आमंत्रित कर ली गयीं थी। कार्यदायी फर्मो का चयन भी कर लिया गया है। अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खण्ड, राठ द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी फर्म मै0 नेशनल लि0 द्वारा चन्दीकला सी0डब्ल्यू0आर0 पर विद्युत संयोजन हेतु कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है एवं अन्य फर्मों को कार्य प्रारम्भ करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि विद्युत संयोजनों हेतु वांछित विद्युत पोल, कन्डक्टर वॉयर, मीटरिंग यूनिट एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करें तथा शीघ्र योजना के सभी घटकों पर विद्युत संयोजन का कार्य प्रारम्भ करायें, साथ ही साइटवार प्रगति आख्या भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

अधिशासी अभियन्ता, वि./यॉ. जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत समस्त सतही आधारित 06 नग विद्युत संयोजनों हेतु धनराशि रू0 3,70,84,735/– का भुगतान कार्यालय अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खण्ड, हमीरपुर को कर दिया गया है। अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, राठ द्वारा अवगत कराया गया कि 06 नग विद्युत संयोजन हेतु कार्यालय अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मण्डल, हमीरपुर द्वारा पूर्व में निविदा आमंत्रित कर ली गयीं थी। कार्यदायी फर्मो का चयन भी कर लिया गया है तथा कार्यदायी फर्मों को वांछित आपूर्ति एवं कार्य प्रारम्भ करने हेतु निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि विद्युत संयोजन का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराया जाय।

हरौलीपुर ग्राम समूह भूजल योजना के अन्तर्गत 67 नग विद्युत कनेक्शन के सापेक्ष 62 नग हेतु एस.डब्लू.एस.एन. द्वारा भुगतान किया जा चुका है, जिसमें से 13 नग हेतु विद्युत संयोजन का कार्य प्रगति पर है, चिल्ली, अमगांव, रिहुटा, बरोली खरका, बिरा, नौहाई, धमना, कुम्हरिया, टोलारावत, इटायल, धनौरी में ट्रान्सफार्मर लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा टिहर में ट्रान्सफार्मर लगाने का कार्य चल रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि अधिशासी अभियन्ता, वि0/यॉ0, जल निगम (ग्रामीण), चित्रकूट तथा अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, हमीरपुर व राठ विद्युत संयोजन की कार्यवाही शीघ्र कराना सुनिश्चित करें। विद्युत संयोजन किये जाने में अनावश्यक विलम्ब न किया जाय।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी संस्थाओ को निर्देशित किया गया कि परियोजना की प्रगति बहुत धीमी है, जिसका मुख्य कारण कार्यदायी एजेंसियों के पास पर्याप्त मानवश्रम उपलब्ध न होना है। अतः मानवश्रम एवं आवश्यक मशीनरी बढ़ाकर समय से प्रस्तावित कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करायें। पेयजल योजनाओ की भौतिक प्रगति बहुत कम 02 प्रतिशत प्रतिमाह है, ~~मासिक~~ प्रगति बढ़ाकर 04–05 प्रतिशत प्रति सप्ताह किया जाय। आबादी के अन्दर स्थित स्कूलों, ग्राम पंचायतों, स्वास्थ्य केन्द्र, ऑगनबाड़ी केन्द्र आदि सरकारी भवनों मे नल संयोजन कराया जाय। सहायक अभियन्ता जल निगम ग्रामीण तथा पी0एम0सी0 को निर्देशित किया गया कि प्रतिदिन की कार्ययोजना तैयार कर माह सितम्बर, 2022 मे कार्यदायी संस्थाओ द्वारा कार्य प्रगति बढाकर 04–05 प्रतिशत सप्ताह किया जाय। रोड

Scanned with OKEN Scanner

रेस्टोरेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें, जिससे जनसामान्य को असुविधा न हो। चूकि यह पेयजल योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतः इस कार्य में अधिशासी अभियन्ता/सहायक अभियन्ता/अवर अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण, महोबा टी0पी0आई0 तथा पी0एम0सी0 व्यक्तिगत रूचि लेते हुए कार्य मानक के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण तथा स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराना सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय।

अपर जिलाधिकारी
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
O/C हमीरपुर।

कार्यालय जिलाधिकारी, हमीरपुर।

पत्र संख्या-788/न0गंगे-पेय0परि0-स0बै0(2022-23) दिनांक-20 सितम्बर, 2022

प्रतिलिपिः-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक महोदय, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।(ई-मेल)
2. जिलाधिकारी महोदय को सादर अवलोकनार्थ।
3. मुख्य अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ। (ई-मेल द्वारा)
4. अधीक्षण अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ।(ई-मेल द्वारा)
5. नोडल अधिकारी (हमीरपुर), एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ।(ई-मेल द्वारा)
6. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), महोबा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत् पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों का अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। (ई-मेल द्वारा)
7. अधिशासी अभियन्ता वि0/यॉ0, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), चित्रकूट।
8. अधिशासी अभियन्ता, वि0वि0नि0, हमीरपुर/राठ।
9. टीम लीडर पी0एम0सी0(आर0वी0 एसोसिएट्स)/टीम लीडर, टी0पी0आई0(सेन्सिस टेक लि0) हमीरपुर को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत् पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों को लागू कराना सुनिश्चित करें।
10. प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0, हमीरपुर को अनुपालनार्थ।
11. जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0, हमीरपुर को अनुपालनार्थ।
12. स्टेट हेड, पी0एन0सी0/जे0डब्लू0आई0एल0। (ई-मेल द्वारा)

20/9/2022
अपर जिलाधिकारी
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
O/C हमीरपुर।

Scanned with OKEN Scanner